भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

PRESS RELEASE

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय जीवन बीमा निगम की वित्तीय वर्ष 2019-20के परिणाम

मुंबई,जुलाई 30,2020 : भारत की सबसे बड़ेजीवन बीमाकर्ता भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC ऑफ इंडिया), , ने मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए अपने अंकेक्षित आंकड़ों की घोषणा की है।

मार्च 2020 के अंत तक निगम द्वारा नव व्यवसाय की उपलब्धियों में प्रथम वर्षीय प्रीमियम में 25.17% की वृद्धि दर्ज की है, जो कि 1,77,977.07 करोड़ रुपये का उच्चतम आंकड़ा है।

पेंशन एवं समूह बीमा व्यवसाय ने एक लाख करोड़ को पार करते हुए इतिहास रचाऔर नव व्यवसाय प्रीमियम आय के रूप में 1,26,696.21 करोड़ रुपये एकत्रित हुए जिसमें पिछले वर्ष की इसी अवधि 90848.86 करोड़ की तुलना में 39.46 %की वृद्धि हुई।

मार्च अंत तक निगम ने कुल प्रीमियम आय का 3,79,062.56 करोड़ रुपये का संग्रह किया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान एकत्र किए गए 3,37,185.40 करोड़ रुपये की तुलना में इसने 12.42% की बेहद मजबूत वृद्धि दर्ज की।

कुल पॉलिसी भुगतान 31.3.2020 की समाप्ति अवधि के लिए 2,54,222.27 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के लिए 2,50,936.23 करोड़ रुपये था, जिसमें 1.31% की वृद्धि हुई।

निगमों की कुल आय 5, 60,784.39 **करोड** रुसे बढ़कर 6, 15,882.94 करोड़ रुपये हो गई, जो कि 31.3.2020 रुपये की समाप्ति की अवधि थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5,60,784.39 करोड़ रुपये थी, जिसमें 9.83% से अधिक की वृद्धि हुई।

पिछले वर्ष इसी अवधि के लिए निगम की कुल संपत्ति 31,96,214.81 रुपये थी, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 31,11,847.28 रुपये थी। इसमे 2.71% की वृद्धि हुई है।

एलआईसी अपने ग्राहकों को आसान प्रीमियम भुगतान के लिए भारी सुविधाएं भी दे रही है। इसने क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके01 दिसंबर, 2019 से सभी पालिसियों से संबंधी डिजिटल लेनदेन पर सुविधा शुल्क माफ कर दिया है। यह सुविधा 30 नवंबर, 2020 तक उपलब्ध है।

एलआईसी ने यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाया कि लोग महामारी के दौरान बीमा के दायरे में रहें। प्रीमियम के संग्रह के लिए सभी डिजिटल चैनल लॉकडाउन अवधि के दौरान 24X7 उपलब्ध थे।

वितीय वर्ष 2019-20, ग्राहकों द्वारा शुरू की गई एलआईसी पालिसियो के लिए डिजिटल लेनदेन में 36% की वृद्धि देखी गई।

एलआईसीहमेशा मृत्यु दावों को निपटाने में सक्रिय रही है और दावेदारों को खोजने और मृतक के परिवार की वित्तीय कठिनाई को कम करने के लिए हमेशा हर कदम आगे है । COVID-19 के कारण होने वाले मृत्यु के दावों को मृत्यु के अन्य कारणों के समान माना जाता है और तत्काल आधार पर भुगतान किया जा रहा है। एलआईसी ने 561पालिसियों के तहत COVID मृत्यु दावे को पहले से ही तय कर लिया है, जिसकी राशि Rs.26.74 करोड़ है। उन्होंने इस प्रक्रिया को शिथिल कर दिया है और अपने क्लब एजेंटों / विकास अधिकारियों से ई-मेल के माध्यम से मृत्यु के दावे की आवश्यकताएं प्राप्त कर रहे हैं।

इस वातावरण में ग्राहकों की मदद करने के लिए एलआईसी अब मेल द्वारा ग्राहकों से परिपक्वता दावा और विधमानता हितलाभ (एस.बी) की आवश्यकता को स्वीकार कर रहा है और मूल दस्तावेज के बिना दावों का निपटारा कर रहा है। (कुछ शर्तों के अधीन)।

भारतीय जीवन बीमा निगम के बारे में:

मुंबई में मुख्यालय, एलआईसी में 8 क्षेत्रीय कार्यालय, 113 मंडल कार्यालय, 2048 शाखाएँ, 1526 उपग्रह कार्यालय और 1178 मिनी कार्यालय हैं जो देश की सेवा करते हैं। LIC अपने हॉलमार्क के रूप में शासित और पारदर्शिता के साथ एक मजबूत वित्तीय संगठन की प्रतिष्ठा रखता है।

एलआईसी आज भी 31.3.2020 तक प्रीमियम में 75.90% और प्रथम वर्ष के प्रीमियम में 68.74% की बाजार हिस्सेदारी के साथ भारतीय बीमा के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में प्रमुख जीवन बीमाकर्ता बनी हुई है।

एलआईसीन केवल इंश्योरेंस के सुसमाचार के साथ लाखों लोगों के जीवन को छूता है, बल्कि इन्फ्रास्ट्रक्चर और सोशल सेक्टर में आगे आकर निवेश कर कई राष्ट्र निर्माण परियोजनाओं जैसे विद्युत, आवास क्षेत्र, जल के उत्पादन और संचरण के लिए परियोजनाएं / योजनाएं शामिल हैं। आपूर्ति और सीवरेज परियोजनाएं, सड़क, पुल और सड़क परिवहन के विकास में सहयोग प्रदान कर रहा है ।

दिनांक मुंबई30 जुलाई, 2020 मुंबई

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

कार्यकारी निदेशक (निगमित संप्रेषण)

भारतीय जीवन बीमा निगम केन्द्रीय् कार्यालय , मुंबई।

ईमेल आईडी: ed_cc@licindia.com

हमें www.licindia.in पर देखें